भारत सरकार

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4531

बुधवार, दिनांक 20 अगस्त, 2025 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>महाराष्ट्र में सोलर पार्क</u>

4531. श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रेः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाराष्ट्र में अब तक स्वीकृत सोलर पार्कों और अल्ट्रा मेगा सोलर ऊर्जा परियोजनाओं और चालू परियोजनाओं की संख्या कितनी है;

(ख) क्या उक्त परियोजनाएं निश्चित जिलों तक सीमित है और शेष जिलों की अनदेखी की गई है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इन परियोजनाओं के लिए कोई पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या कुछ क्षेत्रों में सौर पार्कों के निर्माण के बावजूद ग्रिड कनेक्टिविटी की कमी के कारण उत्पादन शुरू नहीं किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या केंद्र और महाराष्ट्र राज्य सरकार के बीच परियोजनाओं के कार्यान्वयन में समन्वय की कमी के कारण कोई परियोजना रुकी हुई है या इसकी गति धीमी हुई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री

(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) एवं (ख): "सौर पार्कों तथा अल्ट्रा-मेगा सौर विद्युत परियोजनाओं का विकास" के लिए योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में वर्तमान में 4 सौर पार्क स्वीकृत हैं। ये सौर पार्क महाराष्ट्र के बीड, धुले और चंद्रपुर जिले में स्थित हैं।

योजना के अंतर्गत सौर पार्कों के लिए स्वीकृति, पार्कों के लिए स्थलों को चिन्हित करने सहित राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर दी जाती है।

(ग) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना के आधार पर, सौर पार्कों के विकास को पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) से छूट प्राप्त है।

(घ) एवं (ङ): उक्त योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में अनुमोदित सौर पार्कों के ऐसे कोई उदाहरण नहीं है, जहां ग्रिड-कनेक्टिविटी की अनुपलब्धता के कारण उत्पादन शुरू नहीं हुआ।

केन्द्र सरकार, सौर पार्कों के शीघ्र कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार तथा अन्य हितधारकों के साथ समन्वय में कार्य करती है।

*****